मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 129
शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

बिहार में बिछेगा सड़कों का जाल, नितिन गडकरी बोले- 2029 तक होंगे अमेरिका जैसे हाई-वे

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को दावा किया कि 2029 तक, जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सत्ता में 15 साल पूरे करेगा, बिहार का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका के नेटवर्क को टक्कर देगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने बोधगया में लगातार कार्यक्रमों में बोलते हुए यह बयान दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क संरचना में तेजी से प्रगति देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं वादा करता हूं कि मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बाद, जब हम सत्ता में 15 साल पूरे करेंगे, तो बिहार का नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के सड़क नेटवर्क में काफी सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा, ह्लबिहार के सड़क नेटवर्क में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त सुधार देखा गया है और एनडीए सरकार आगे विकास के लिए काम करना जारी रखेगी।ह्व उन्होंने 3,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। गडकरी ने जोर दिया कि बिहार और भारत की सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बोधगया, आज नई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ त्वरित विकास के लिए तैयार है।

गडकरी ने एक्स पर लिखा कि आज लोकार्पित हुए हसनपुर से बख्तियारपुर मार्ग चौड़ीकरण से नालंदा और पटना जिलों को लाभ होगा। साथ ही यह मार्ग झारखंड राज्य से बिहार को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह परियोजना यातायात और माल ढुलाई को आसान करेगी और व्यापार तथा उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगी। इन सभी परियोजनाओं का लाभ क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। बोधगया और राजगीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे।

इस कार्यक्रम के दौरान आज अन्य नई परियोजनाओं की घोषणा की गई। 5100 करोड़ रुपए की लागत से 90 किमी लंबाई के मोकामा से मुंगेर मार्ग का चौड़ीकरण जो धार्मिक स्थल अशोकधाम और बड़हिया स्पर की घोषणा की।

पश्चिम चंपारण में बेतिया के पास 2500 करोड़ रुपए की लागत से गंडक नदी पर 11 किमी 4-लेन ब्रीज तथा 19 किमी एप्रोच रोड की घोषणा की। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 1250 करोड़ रुपए की लागत से 11 रेल ओवर ब्रिज और 9 शहरों में आरओबी की घोषणा की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी समकक्ष से मिले, जेट इंजन पर बढ़ेगी बात

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे ऑस्टिन ने लाओस के वियनतियाने में मुलाकात की और परिचालन समन्वय, सूचना-साझाकरण और औद्योगिक सहयोग और नवाचार में वृद्धि पर जोर देते हुए भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी में प्रभावशाली प्रगति की सराहना की।

रक्षा मंत्रालय ने न्यू में जारी एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी, जिसमें जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहा सहयोग शामिल है।

सिंह और ऑस्टिन ने 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस से इतर बातचीत की। पिछले साल अपनाया गया रोडमैप, हवाई युद्ध और भूमि गतिशीलता प्रणाली, खुफिया, निगरानी और टोही, युद्ध सामग्री और पानी के नीचे के क्षेत्र सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकी सहयोग और सह-उत्पादन करना चाहता है।

दोनों नेताओं ने आखिरी बार अगस्त में अमेरिका में मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापक बातचीत की थी। इस बातचीत में रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा, भारत-प्रशांत क्षेत्र और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था।

भारत और अमेरिका ने तब रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए अप्रत्याशित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को हल करने के लिए रक्षा वस्तुओं और सेवाओं की पारस्परिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा (एसओएसए) आपसी हित के मामलों पर सहयोग, समझ, अंतरसंचालनीयता और जानकारी साझा करने को बढ़ाने के लिए संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित दो प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

असम के करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि रखा, सीएम हिमंता के ऐलान के बाद अधिसूचना जारी

असम, 21 नवम्बर। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा पहली बार राज्य में करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने के कैबिनेट के फैसले की घोषणा करने के एक दिन बाद, असम सरकार ने गुरुवार को इस कदम को आधिकारिक मंजूरी देते हुए एक अधिसूचना जारी की। एक आधिकारिक अधिसूचना में, सरकार ने करीमगंज जिले और करीमगंज टाउन का नाम बदलकर श्रीभूमि और श्रीभूमि टाउन करने के निर्णय की घोषणा की, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि सीएम डॉ हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में असम मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार, करीमगंज जिले और करीमगंज टाउन का नाम बदलकर क्रमशः श्रीभूमि और श्रीभूमि टाउन करने की एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। इससे पहले, करीमगंज जिले का नाम बदलने के कैबिनेट के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि

नाम परिवर्तन समुदाय की इच्छाओं को दशार्ता है और ऐतिहासिक या भाषाई महत्व की कमी वाले नामों को बदलने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

100 साल से भी पहले, कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर ने आधुनिक करीमगंज जिले को श्रीभूमि- माँ लक्ष्मी की भूमि के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने हमारे लोगों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम उन नामों को बदलना जारी रखेंगे जिनका कोई शब्दकोश संदर्भ या ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है।

प्रो. दयानंद तिवारी ब्राह्मण भूषण सम्मान से सम्मानित

वाराणसी, 21 नवम्बर। श्री भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी और अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में वाराणसी के श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार अंध विद्यालय, दुगार्कुंड, वाराणसी के सभागृह में 17 नवंबर 2024 को ‘वर्तमान परिवेश में ब्राह्मणों के विकास की दिशा’ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष कमलाकांत उपाध्याय, राष्ट्रीय महासभा के महामंत्री गणेश दत्त शास्त्री के अलावा भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी के अध्यक्ष बसंत राय, महेंद्र शर्मा, हरिकांत तिवारी व ब्राह्मण समाज के अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस सभा की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध शिक्षाविद डॉक्टर हरिद्वार शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर दयानंद तिवारी मुंबई उपस्थित थे।इस अवसर पर सभी विद्वानों ने एकमत से यह सुझाव दिया कि यदि ब्राह्मण समाज के अस्तित्व को बचाए रखना है तो

हम सभी ब्राह्मणों को एकजुट होना होगा। सभी को ब्राह्मण धर्म और कर्म का पालन करना होगा। तभी ब्राह्मण समाज का कल्याण हो सकेगा।

कमलाकांत उपाध्याय ने कहा कि ब्राह्मण समाज में कोई छोटा और कोई बड़ा नहीं है। अब तीन और तेरह के चक्कर को छोड़कर जितने भी ब्राह्मण है सभी को एक साथ जोड़ने की आवश्यकता है। इस सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि भट्ट ब्राह्मण, भूमिहार, गिरी, उपाध्याय, पाठक और शर्मा चाहे वह सरयू पारी हों या कान्यकुब्ज सभी ब्राह्मण समाज के अंग है उन्हें ब्राह्मण समाज में शामिल करने से ब्राह्मण समाज अखिल भारतीय स्तर पर मजबूत होगा।

इस अवसर पर प्रोफेसर दयानंद तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण कोई जाति नहीं देश की संस्कृति और संस्कार का नाम है। ब्राह्मण समाज को अपने अस्तित्व को कायम रखते हुए समाज का आदर्श बनना होगा। आज के समय में ब्राह्मण को अपने आचरण को सुधारते हुए ब्राह्मण के जो नौ गुण निर्धारित किए गए हैं उनका भी पालन करना होगा। ब्राह्मण वर्ग को अपने आचरण में शुद्धता लाने के साथ ही स्वार्थ से ऊपर उठकर एक साथ आना होगा। ब्राह्मण समाज एकसाथ मिलकर सशक्त शक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

इस अवसर पर डॉ दयानंद तिवारी को ब्राह्मण भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया।

शादी की सालगिरह मनाने ससुराल जा रहे युवक की ट्रेन दुर्घटना में मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी एक 29 वर्षीय युवक की ट्रेन दुर्घटना में मौत हो गयी।वह अपने शादी की सालगिरह मनाने वाराणसी स्थित अपनी ससुराल जा रहा था।घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

उक्त गांव निवासी सूरज मौर्य पुत्र महेंद्र मौर्य की शादी की सालगिरह मनाने के के लिए शिवपुर(वाराणसी) जा रहा था।वह शिवपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय प्लेटफार्म तथा गाड़ी की चपेट आ गया।जिससे उसका दोनों पैर कट गया।वहा से उपचार के लिए रेलवे पुलिस उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर ले गयी, साथ ही उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गयी।सूचना पाकर परिजन ट्रामा सेंटर पहुंच गए।परिजनों ने बताया कि रात को जब सूरज को होश आया तो उसने अपना कटा पैर देखा।उसके बाद उसकी हार्ट अटैक से मौत हो गयी।ज्ञात हो दो भाई एक बहन में सबसे बड़ा पुत्र था।

पुणे महाराष्ट्र में पत्नी के साथ रहकर कार पार्लर में काम करता था।ज्ञात हो सूरज कुमार सात नवंबर को पत्नी के साथ बहन की शादी में शामिल होने आया था।शादी के बाद पत्नी 11 नवंबर को मायके चली गई थी।20 नवंबर को शादी की सालगिरह थी।सूरज सालगिरह मनाने ससुराल जा रहा था।वहां उसे पत्नी के साथ सालगिरह मनाना था।लेकिन सालगिरह की जगह सूरज असमय काल के गाल में समा गया।

समय, मृत्यु, और सुरक्षा के देवता है काल भैरव

●ब्रह्म योग, इंद्र योग और रवि योग में मनेगी भैरव जयंती

●शिव की क्रोधाग्नि का विग्रह रूप माने जाते है बाबा कालभैरव

सुरेश गांधी

वाराणसी। देवों के देव हैं महादेव...! हर दुख को खुद पर लेकर भक्तों को भयमुक्त करने वाले है बाबा कालभैरव। पहले तो उन्होंने समुद्र मंथन में निकले विष को पीकर देवताओं को बचाया और नीलकंठ कहलाए, फिर उन्होंने ब्रह्म को राह दिखाने के लिए न सिर्फ अपने नेत्र से काल भरैव को प्रकट किया, बल्कि भक्तों की बुराईयों को अपने अंदर समाने के लिए खुद मदिरा का पान करने लगे. वो भी साक्षात, सबके सामने. जी हां,

भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव की जयंती 22 नवंबर, शुक्रवार को है. भैरव को शिव का पांचवा अवतार माना जाता है. इस दिन भगवान शिव की पूजा का विधान है.

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान काल भैरव का अवतरण हुआ था. इस दिन विधि विधान से पूजा किए जाने से भय और अवसाद का नाश होता है, साथ ही महादेव का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है. कहते है पूजन से प्रसन्न होकर भगवान काल भैरव सुख और समृद्धि का आशीर्वाद ही नहीं देते हैं, बल्कि व्यक्ति के जीवन से सभी नकारात्मक शक्तियां दूर हो जाती हैं। पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का शुभारंभ 22 नवंबर को शाम 6 बजकर 7 मिनट पर होगा। मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का समापन 23 नवंबर को शाम 7 बजकर 56 मिनट पर होगा।

काल भैरव जी की पूजा के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 54 मिनट से सुबह 5 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मूहूर्त सुबह 11 बजकर 36 मिनट से दोपहर 12 बजकर 19 मिनट तक रहेगा। वहीं अमृत काल दोपहर 3 बजकर 27 मिनट से शाम 5 बजकर 10 मिनट तक रहेगा। इस साल काल भैरव जयंती पर काफी शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इस योग में पूजा करने से कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति हो सकती है। इस दिन ब्रह्म योग के साथ ही इंद्र योग का निर्माण होगा. इसके अलावा, रवि योग भी बनेगा. इन योग में भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के शारीरिक और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी. काशी के कोतवाल है बाबा कालभैरव, आज्ञा लिए बगैर नहीं होता कोई काम काशी में बाबा कालभैरव की विशेष आराधना होती है।

कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

-ललित गर्ग

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है।

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13

लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है।

परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य ह्यदुर्घटना से देर भलीह्न पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका ह्यद लांसेटह्न में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं।

भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी।

खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है।

जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

कितने सही होते हैं एग्जिट पोल

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र एवं झारखण्ड विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान पूरा हो गया। महाराष्ट्र में वोटिंग खत्म होते ही सबकी नजरें दोनों प्रदेशों के एग्जिट पोल पर रही। नतीजे 23 नवम्बर शनिवार को आने हैं। इससे पहले बुधवार शाम को अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल जारी किए है। इन पोल के जरिए ये बताने की कोशिश हो रही है कि किस राज्य में कौन सी पार्टी सरकार बन सकती है या कितनी सीटें जीत सकती है। अजीब विडम्बना है कि महाराष्ट्र में चाणक्य एन डी ए को १३०-१३८ सीट बता रही है और पोपुल्स ८५-११२ . झारखण्ड में चाणक्य एन डी ए को ४५-50 सीट बता रहा है वहीं एक्सिस माय इंडिया 25 .

एग्जिट पोल के नतीजों की सटीकता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। हम आपको दोनों चुनावी प्रदेशों के पिछले नतीजे और एग्जिट पोल के आंकड़े बताने जा रहे हैं। इससे आप समझ पाएंगे कि यह पोल कितना सही होता है? क्या इनमें किए गए दावे कितने सटीक होते हैं? इन पोल में पिछली बार क्या कहा गया था और बाद में नतीजे क्या निकले?

यदि हम हरियाणा पिछले चुनाव में कैसे थे एग्जिट पोल के नतीजे देखे तो 21 सितंबर 2019 को चुनाव आयोग ने हरियाणा में विधानभा चुनावों का एलान किया था। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 21 अक्तूबर 2019 को वोट डाले गए थे। 24 अक्तूबर 2019 को मतगणना कराई गई थी। मतदान के बाद तमाम न्यूज चैनलों और चुनाव सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल नतीजे में आसानी से भाजपा की सरकार बनती दिखाया था। चार प्रमुख एग्जिट पोल में सत्ताधारी भाजपा को एकतरफा 70 से ज्यादा सीटें जीतते हुए दिखाया गया था। वहीं एक चैनल ने भाजपा को 50 से 65 के बीच सीटें दी थीं। हरियाणा 2024 विधानसभा चुनाव की बात करें तो एग्जिट पोल के नतीजे इस प्रकार थे . इंडिया टुडे-सी वोटरः कांग्रेस को 50 से 58 सीटें और बीजेपी को 20 से 28 सीटें.एक्सिस माई-इंडियाः कांग्रेस को 53 से 65 सीटें और बीजेपी को 18 से 28 सीटें.भास्कर रिपोर्टर्स पोलः कांग्रेस को 44 से 54 और बीजेपी को 19 से 29 सीटें.रिपब्लिक मैट्रिजः कांग्रेस को 55 से 62 और बीजेपी को 18 से 24 सीटें. ये कुछ एग्ज़िट पोल हैं जिनमें हरियाणा में कांग्रेस की स्पष्ट बहुमत से सरकार बनने की बात कही गई थी. लेकिन जब नतीजे आए तो इसके ठीक उलट हुआ. हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल किया और राज्य में जीत की हैट्रिक लगाई. नतीजों में बीजेपी को 48 और कांग्रेस को 37 सीटें मिली हैं. 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 46 है.

इन चुनावी नतीजों ने एक बार फिर एग्ज़िट पोल और उनको करने वाली एजेंसियों की विश्वसनीयता को सवालों के घेरे में ला दिया है.हालांकि जम्मू-कश्मीर के नतीजे एग्ज़िट पोल के इर्द-गिर्द रहे. यहां नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिला है.

2014 में जम्मू-कश्मीर राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव हुए थे। तब 87 सीटों वाली विधानसभा के लिए 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2014 तक पांच चरणों में मतदान हुआ था। 2014 के एग्जिट पोल में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने का अनुमान जताया गया था। जम्मू कश्मीर में सत्ता में किसकी वापसी होगी, इसका अनुमान स्पष्ट नहीं था। हालांकि, उस वक्त 87 सीटों वाले जम्मू-कश्मीर में पीडीपी और बीजेपी दोनों के बीच कांटे की टक्कर दिखाई गई थी। इन एग्जिट पोल्स में बताया गया था कि पडीपी सबसे बड़ी पार्टी बनती सकती है, जबकि भाजपा दूसरी बड़ी पार्टी के तौर पर आ सकती है। वहीं एग्जिट पोल्स में जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व की नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को बड़ी हार का सामना करते हुए दिखाया गया था।

जब नतीजे आए तो तमाम एग्जिट पोल काफी हद तक गलत साबित हुए। जहां अनुमानों में सत्ताधारी भाजपा की प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनती दिखाई गई थी। वहीं, नतीजों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। सत्ताधारी भाजपा बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। 90 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 46 सीटों पर जीत जरूरी थी। भाजपा को सबसे ज्यादा 40 सीटें मिलीं। कांग्रेस 31 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। विधानसभा चुनाव में जजपा 10 सीटें जीतने में सफल रही। सात निर्दलीय, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) एक और हरियाणा लोकहित पार्टी को एक सीट पर जीत मिली। चुनाव के बाद 10 सीटों वाली जजपा के साथ पार्टी ने गठबंधन किया और राज्य की सत्ता में वापसी की। 27 अक्तूबर 2019 को मनोहर लाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। किंग मेकर बने दुष्यंत चौटाला ने उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने मनोहर लाल की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया।

जम्मू कश्मीर प्रदेश में 2014 के एग्जिट पोल्स काफी हद तक सही साबित हुए थे। 2014 में जम्मू-कश्मीर राज्य में चुनाव हुए थे। विधानसभा चुनाव के परिणाम 23 दिसंबर 2014 को घोषित किये गये थे। 87 सदस्यीय विधानसभा में महबूबा मुफ्ती की जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को सबसे ज्यादा 28 सीटें मिलीं। वहीं, दूसरे स्थान पर भाजपा थी जो 25 सीटों पर जीतने में सफल रही। फारुख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस को 15 जबकि कांग्रेस को 12 सीटों पर जीत मिली। तीन सीटों पर निर्दलीय तो चार सीटों पर अन्य छोटे दलों को जीत मिली। नतीजों से साफ था कि कोई भी दल बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

नतीजों के करीब ढाई महीने बाद पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सईद ने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। पीडीपी को 25 सदस्यों वाली भाजपा का समर्थन था। इस तरह इस गठबंधन ने बहुमत के आंकड़े को जुटा लिया। 7 जनवरी 2016 को सईद के निधन के बाद राज्य में एक बार फिर राजनीतिक अनिश्चित्ता का दौर आया। राज्य में राज्यपाल का शासन लगाना पड़ा। करीब तीन महीने की अनिश्चितता के बाद भाजपा और पीडीपी में फिर से समझौता हुआ और महबूबा मुफ्ती ने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। 4 अप्रैल 2016 को महबूबा राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। पीडीपी-भाजपा की यह गठबंधन सरकार दो साल से ज्यादा वक्त तक चली। जून 2018 में भाजपा ने महबूबा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती की सरकार गिर गई। 5 अगस्त, 2019 को राज्य का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। धारा 370 हटने के बाद अब पहली बार जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए हैं। अब सवाल यह है कि एग्जिट पोल बढ़-चढ़कर किए गए अपने दावों में कई बार क्यों इसी प्रकार पूरी तरह फेल साबित होते हैं? दरअसल एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रूझान ही होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार इसलिए भी नहीं माना जाता क्योंकि ये कुछ सौ या कुछ हजार हजार लोगों से बातचीत करके उसी के आधार पर ही तैयार किए जाते हैं और प्रायः इसीलिए इन्हें हकीकत से दूर माना जाता रहा है। एग्जिट पोल में प्रायः मीडिया से आ रही खबरों, चुनाव का इतिहास और हवा के रुख का घालमेल भी शामिल रहता है। जब कोई मतदाता अपना मत देकर मतदान केन्द्र से बाहर निकलता है तो एग्जिट पोल कराने वाली एजेंसियां उससे उसका रूझान पूछ लेती हैं। अधिकतर एग्जिट पोल परिणामों को प्रायः यह समझ लिया जाता है कि ये पूरी तरह सही ही होंगे किन्तु ऐसा समझकर लोग प्रायः यह भूल जाते हैं कि ये केवल अनुमानित आंकड़े ही होते हैं और कोई जरूरी नहीं कि मतदाता ने सर्वे करने वालों को सच्चाई ही बताई हो। दरअसल सर्वे के दौरान मतदाता बहुत बार इस बात का सही जवाब नहीं देते कि उन्होंने अपना वोट किस पार्टी या प्रत्याशी को दिया है। देश में चुनाव प्रायः विकास के नाम पर या फिर जाति-धर्म के आधार पर ही लड़े जाते रहे हैं और यदि बात विधानसभा चुनावों की हो तो चुनाव में बहुत से स्थानीय मुद्दे भी हावी रहते हैं, ऐसे में यह पता लगा पाना इतना आसान नहीं होता कि मतदाता ने अपना वोट किसे दिया है। दुनियाभर में अधिकांश लोग एग्जिट पोल को अब विश्वसनीय नहीं मानते और यही कारण है कि कई देशों में इन पर रोक लगाने की मांग होती रही है।

मतदाताओं की राय जानने के लिए ह्यओपिनियन पोलह्न और ह्यपोस्ट पोलह्न भी किए जाते हैं। एग्जिट पोल हालांकि ओपिनियन पोल का ही हिस्सा होते हैं किन्तु ये मूल रूप से ओपिनियन पोल से अलग होते हैं। ओपिनियन पोल में मतदान करने और न करने वाले सभी प्रकार के लोग शामिल हो सकते हैं। ओपिनियन पोल मतदान के पहले किया जाता है जबकि एग्जिट पोल चुनाव वाले दिन ही मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। ओपिनियन पोल के परिणामों के लिए चुनावी दृष्टि से क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर जनता की नब्ज टटोलने का प्रयास किया जाता है और क्षेत्रवार यह जानने की कोशिश की जाती है कि जनता किस बात से नाराज और किस बात से संतुष्ट है। इसी आधार पर ओपिनियन पोल में अनुमान लगाया जाता है कि जनता किस पार्टी या किस प्रत्याशी का चुनाव करने जा रही है। ओपिनियन पोल को ही ह्यप्री-पोलह्न भी कहा जाता है। पोस्ट पोल प्रायः मतदान की पूरी प्रक्रिया के समापन होने के अगले दिन या फिर एक-दो दिन बाद ही होते हैं, जिनके जरिये मतदाताओं की राय जानने के प्रयास किए जाते हैं और अक्सर माना जाता रहा है कि पोस्ट पोल के परिणाम एग्जिट पोल के परिणामों से ज्यादा सटीक होते हैं।

1998 में चुनाव पूर्व सर्वे अधिकांश टीवी चैनलों पर प्रसारित किए गए और तब ये बहुत लोकप्रिय हुए थे लेकिन कुछ राजनीतिक दलों द्वारा इन पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग पर 1999 में चुनाव आयोग द्वारा ओपिनियन पोल तथा एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद एक अखबार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को निरस्त कर दिया। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग उठी और इस मांग के जोर पकड़ने पर तब चुनाव आयोग ने प्रतिबंध के संदर्भ में कानून में संशोधन के लिए तुरंत एक अध्यादेश लाए जाने के लिए कानून मंत्रालय को पत्र लिखा। उसके बाद जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 में संशोधन करते हुए सुनिश्चित किया गया कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, तब तक किसी भी रूप में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत सिद्धांत

संजीव ठाकुर

0-समय-समय पर नवीन मूल्य की स्थापना एक शाश्वत सत्य

0-सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति अतुल्य बल प्रदान करती है

यह बात स्वामी विवेकानंद जी ने कही है। यह सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर नवीन मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित ₹सत्यमेव जयते₹ आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।

आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निदेर्शों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्त्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊजार्वान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है। सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है₹ यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवं सर्वकालीन है।

बसपा के लिये एक बार फिर बुरा सपना तो साबित नहीं होंगे उप चुनाव

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में किसको कितनी सीटें मिलेंगी,इसको लेकर तो चर्चा हो सकती है,परंतु उप चुनाव में जिस तरह का मतदान देखने को मिला उससे यही लगता है कि बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर हासिये पर ही खड़ी नजर आई। किसी भी सीट पर बसपा फाइट करती नहीं दिखी। बसपा सुप्रीमों मायावती के लिये लगता है अब आगे की राह आसान नहीं रह गई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि बसपा का कोर वोटर कहलाने वाले दलितों ने अब भाजपा-सपा के रूप में अपनी नहीं मंजिल चुन ली है ।इसी वजह से कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी,जिसके चलते भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए हैं। बसपा की तरह ही चन्द्रशेखर आजाद की आजाद पार्टी भी कोई गुल खिलाते नहीं दिखी है। कई सीटों पर दलित मतदाता मुख्य रूप से भाजपा-सपा के बीच बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने बीजेपी-सपा के जीत के आकड़े को थोड़ा उलझा दिया है, जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा जायेगें, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा। सबसे बड़ी बात यह रही कि मुरादाबाद की मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है ।उधर,कानपुर की सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के करीब 5.0 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा।

समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी के कटेहरी उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। हां, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है ।यहां सीधा मुकाबला सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव और भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह में रहा।

मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकंझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। बसपा और आसपा प्रत्याशियों के बीच तीसरे नंबर की लड़ाई दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले गांव के मत प्रतिशत से नतीजे तय होने के आसार बन गए हैं ।अति पिछड़ा वर्ग और जाट मतों की अधिकता वाले गांव में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में रुझान नजर आया। भोकरहेड़ी, करहेड़ा, बेलड़ा समेत अन्य गांवों में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं की लामबंदी दिखी। मुस्लिम मतों की अधिवक्ता वाले ककरौली, सीकरी, मीरापुर, जटवाड़ा, जौली में सुबह मुस्लिम मतदाता सपा, बसपा और आसपा के बीच बंटते नजर आए। ककरौली में पथराव के बाद मुस्लिम मतों की लामबंदी सपा प्रत्याशी के समर्थन में अधिक दिखी। मीरापुर में अनुसूचित जाति के मतदाताओं में बिखराव नजर आया। युवाओं ने सपा को तरजीह दी, जबकि अन्य मतदाताओं की पहली पसंद बसपा नजर आई। गुर्जरों के मतों के बंटवारे पर भी सबकी निगाह बनी हुई है। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में करीब एक दर्जन प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे थे लेकिन, मुख्य मुकाबला भाजपा-सपा के बीच है। कुछ इलाकों में सपा भारी दिखाई दी तो कुछ में भाजपा। दलित वोटरों ने किसके पक्ष में मतदान किया, इस पर परिणाम तय होगा। उधर, अलीगढ़ की खैर सीट पर भी सपा और भाजपा प्रत्याशी के बीच सीधी टक्कर दिखी। बीजेपी और समाजवादी पार्टी के अपनी-अपनी जीत के दावों के बीच चुनाव आयोग ने उप चुनाव के वोटिंग प्रतिशत की भी जानकारी दे दी है। मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर सबसे ज्यादा मतदान हुआ है तो सबसे कम वोटिंग गाजियाबाद सीट पर रही। मीरापुर सीट पर 57.1 फीसदी, कुंदरकी में 57.7 फीसदी, गाजियाबाद में 33.3 फीसदी, खैर में 46.3 फीसदी, करहल में 54.1 फीसदी, सीसामऊ में 49.1 फीसदी, फूलपुर में 43.4 फीसदी, कटेहरी में 56.9 फीसदी और मझवां में 50.4 फीसदी मतदान हुआ. इस तरह किसी भी सीट पर मतदान 60 फीसदी का आंकड़ा पार नहीं कर सका. वहीं, 2022 के विधानसभा चुनाव में हुए वोटिंग के लिहाज से देखें तो उपचुनाव वाली 9 सीटों पर 62.14 फीसदी मतदान हुआ था. सीसामऊ में 56.85 फीसदी, खैर सीट पर 60.80 फीसदी, कुंदरकी सीट पर 71.26 फीसदी, मीरापुर सीट पर 68.65 फीसदी, करहल सीट पर 66.11 फीसदी, गाजियाबाद सीट पर 51.77 फीसदी, कटेहरी सीट पर 62.5 फीसदी, फूलपुर सीट पर 61.1 फीसदी और मझवां सीट पर 60.3 फीसदी वोटिंग हुई थी. तब सपा ने चार, बीजेपी ने तीन, आरएलडी ने एक और एक सीट निषाद पार्टी ने जीती थी.

घाटकोपर में तीन पीढ़ियों ने किया एकसाथ मतदान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोकतंत्र के महापर्व के अवसर पर एक एक वोट बहुमूल्य होता है। मतदान हमारा नैतिक कर्तव्य है। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए घाटकोपर पूर्व के राजावाड़ी स्थित चितरंजन नगर में बुधवार २० नवंबर को तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया। बता दें कि घाटकोपर (पूर्व) के राजावाड़ी के निवासी व वरिष्ठ नागरिक बाबूराव वाणी (९१) वर्षीय ने अपने पुत्र प्रकाश वाणी (६१) वर्ष तथा नाती अजिंक्य वाणी (३०) के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ऐसा संयोग बहुत ही कम देखने को मिलता है जब पिता पुत्र तथा नाती को एक साथ मतदान करने का शौभाग्य मिलता है। बाबूराव वाणी के पुत्र वरिष्ठ शिवसैनिक प्रकाश ने मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मेरे पिता, मैं और मेरा पुत्र अजिंक्य बुधवार को घाटकोपर पूर्व के चितरंजन नगर मतदान केंद्र में एकसाथ जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात थी। इस दौरान लोगों की निगाहें मेरे पिता पर लगी हुई थी।

मिठाई लाल सिंह ने 95 वर्ष के उम्र में किया मतदान

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। भारत आजाद होने के प्रथम चुनाव से लेकर अब तक लगातार मतदान करते हुए आर्य समाज माटुंगा संचालित श्री दयानंद विद्यालय चारकोप कांदिवली पश्चिम के ट्रस्टी व प्रताप कोआपरेटिव बैंक के संस्थापक अध्यक्ष मिठाईलाल सिंह (उम्र 95 वर्ष)महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर 2024 का मतदान करने पर प्रताप कोआपरेटिव बैंक के चेयरमैन चंद्र कुमार सिंह, मुंबई प्रदेश भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, मुंबई भाजपा प्रवक्ता व सरस्वती क्लासेज के संचालक दयानंद तिवारी, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, शिक्षाविद शिव पुजन पांडे, भरत भाई शुक्ला, समाजसेवी के के मिश्रा (बच्चन),पत्रकार संजय मिश्रा, भाजपा नेता श्रीमती सुमन सिंह, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि सहित कई लोगों ने हार्दिक बधाई दी है।

ब्लू डार्ट ने दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा की, सेल्स का आंकड़ा 1,448 करोड़ तक पहुँचा

मुंबई। दक्षिण एशिया में एक्सप्रेस एयर, इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन लॉजिस्टिक्स सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने आज मुंबई में आयोजित अपनी बोर्ड की बैठक में 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए, कंपनी ने टैक्स चुकाने के बाद 60.76 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया। इसी अवधि के लिए, कंपनी को ऑपरेशंस से 1,448.46 करोड़ का रेवेन्यू प्राप्त हुआ। ब्लू डार्ट अपने एडवांस्ड ऑटोमेशन एवं टेक्नोलॉजी की मदद से बेमिसाल गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध कराता है, और यही इसके कारोबार के संचालन का आधार बनी हुई है, जो ग्राहकों को बड़े सहज तरीके से लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सभी जरूरतों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन की पेशकश करता है। ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, बॅलफर मैनुअल ने कंपनी के मौजूदा परफॉर्मेंस के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, इस तिमाही के दौरान, हमने रेवेन्यू में साल-दर-साल जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की, जिसे जाहिर होता है कि हमने स्थापित और उभरते दोनों क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया है। आय की क्षमता बढ़ने से हमें अपने नेटवर्क के दायरे को बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से निवेश करने में मदद मिली है, जिसमें अपनी सेवा पेशकशों को बढ़ाने और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए नए एयरक्राफ्ट को अपनी फ्लीट का हिस्सा बनना भी शामिल है। इसके बाद, हम इ2इ और ई-कॉमर्स डिस्ट्रीब्यूशन के लिए स्ट्रैटेजिक ग्राउंड हब और डिलीवरी सेंटर के विकास में भी निवेश कर रहे हैं। ये निवेश अपने पूरे नेटवर्क में स्केलेबिलिटी, फ्लैक्सिबिलिटी, सटीकता और गति को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए हैं, ताकि भविष्य में सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिल सके। हमेशा मुस्तैद और इनोवेटिव बने रहकर, हम उभरते अवसरों का लाभ उठाने और अपने ग्राहकों के लिए सेवाओं को और ज्यादा मूल्यवान बनाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

लिवप्योर ने दूसरी तिमाही में रेवेन्यू में 50 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की

मुंबई। लिवप्योर, भारत के प्रमुख ग्राहक-केंद्रित ब्रांड्स में से एक, ने दूसरी तिमाही के शानदार नतीजों की घोषणा की है। कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में दूसरी तिमाही में रेवेन्यू में 50% की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि नए प्रॉडक्ट्स की पेशकश, मार्केटिंग में महत्वपूर्ण ढंग से किए गए निवेश और शुरूआती त्योहारी सीजन में मिली गति से प्रेरित रही। कंपनी को वैल्यू इंजीनियरिंग और बदलाव की दिशा में लगातार की जा रही कोशिशों का लगातार लाभ मिला है, जिससे लिवप्योर को बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करने में मदद मिली है।दूसरी तिमाही में लिवप्योर के ग्रोथ को विभिन्न सेगमेंट में बेहतरीन प्रदर्शन से मजबूती मिली है, जिसमें सामान्य व्यापार में राजस्व वृद्धि 55% दर्ज की गई। ई-कॉमर्स और जनरल ट्रेड में संयुक्त रूप से 66% की बढ़ोतरी हुई जबकि मॉडर्न ट्रेड सेगमेंट 150% की वृद्धि दर के साथ बढ़ा। सर्विस कैटेगरी में, राजस्व में 40% का उछाल आया, और लिवप्योर की मुख्य श्रेणी यानी वॉटर प्यूरिफायर में 38% की वृद्धि हुई, जो बेहतर गुणवत्ता और सेवा के माध्यम से ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इस राजस्व विस्तार के परिणामस्वरूप, एबिटा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो पिछले साल की दूसरी तिमाही की तुलना में 271% अधिक है।

पालघर जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 65.95 प्रतिशत हुआ मतदान

- शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई चुनाव प्रक्रिया
- मतदाताओं ने ईवीएम में कैद किया उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला, उम्मीदवारों की धड़कने हुई तेज

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोविंद बोडके ने बताया कि पालघर जिले में विधानसभा के 6 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई है। बुधवार 20 नवंबर 2024 को सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हो गई थी तथा मतदान की प्रक्रिया शाम को मतदान का समय समाप्त होने तक जारी रही। मतदान अवधि के दौरान बिना किसी अप्रिय घटना के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सुचारू रूप से संपन्न हो गया। इस विधानसभा चुनाव में पुरुष एवं महिला वोटरों के अलावा तृतीय पंथियों ने भी मतदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बतादें कि मतदाताओं ने अपने बहुमूल्य मतों का प्रयोग करते हुए प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद कर दिया। जिसकी वजह से चुनाव मैदान में उतरे सभी 53 उम्मीदवारों की धड़कने बढ़ गई हैं। वहीं शनिवार 23 नवम्बर को सुबह उम्मीदवारों के भाग्य का पिटारा खुलेगा। पालघर जिले में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार अनुमानित मतदान प्रतिशत इस प्रकार है। 128-दहानु विधानसभा में 72.5 प्रतिशत मतदान, 129-विक्रमगढ़ विधानसभा में 77.75 प्रतिशत मतदान, 130-पालघर विधानसभा में 71.05 प्रतिशत मतदान, 131-बोईसर विधानसभा में 66.17 प्रतिशत मतदान, 132-नालासोपारा विधानसभा में 57.1 प्रतिशत मतदान तथा 133-वसई विधानसभा में 60.46 प्रतिशत मतदान किए जाने की जानकारी जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोविंद बोडके द्वारा दी गई है।

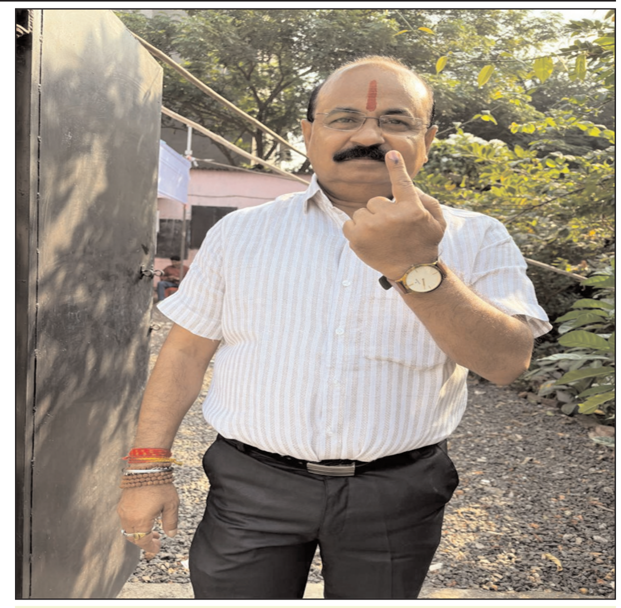

नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के मतदानोत्सव में हिस्सा लिया और अपने बहुमूल्य मत का प्रयोग करने के पश्चात अन्य वोटरों को अपने अपने बहुमूल्य मतों का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहन करते हुए। छायांकन : उत्तरशक्ति

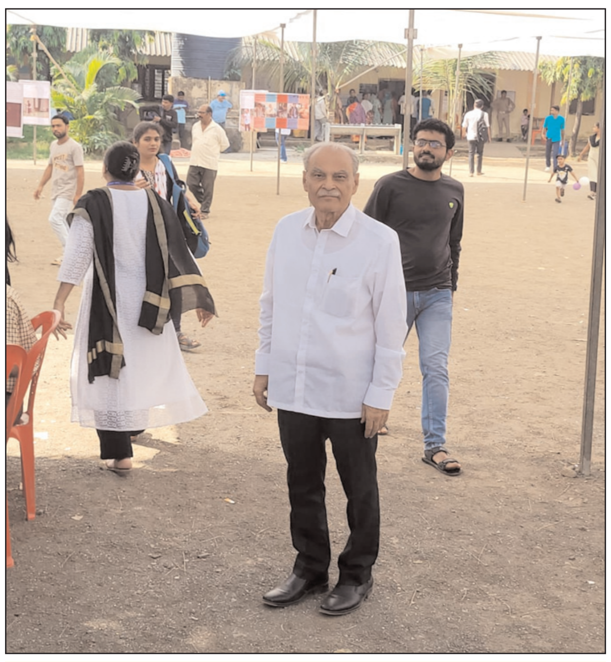

विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के मतदानोत्सव में हिस्सा लिया और अपने बहुमूल्य मत का प्रयोग करने के पश्चात अन्य वोटरों से घरों से निकलकर अपने अपने बहुमूल्य मतों का प्रयोग करने हेतु अपील करते हुए। छायांकन : उत्तरशक्ति

साकीनाका खाड़ी क्रमांक तीन में मच्छरों का प्रकोप बढ़ा

- डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ा
- मनपा एल वार्ड का स्वास्थ्य विभाग कुंभकर्णी निद्रा में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जहां एक तरफ स्वच्छ भारत अभियान पिछले कई सालों से चलाया जा रहा है वही मनपा एल विभाग के अंतर्गत आने वाली साकीनाका खाड़ी क्रमांक तीन की अनेक झोपड़पट्टियों में बढ़ती हुई गंदगी के कारण बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है । बताया जाता है कि यहां की झोपड़पट्टियों में डेंगू, मलेरिया, और टाइफाइड जैसी जानलेवा बीमारियों का साया मंडरा रहा है। जगह जगह कचरे के ढेर और नालियों में बहते गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है । उसके बाद भी मनपा एल वार्ड का स्वास्थ्य विभाग इस समस्या के प्रति गंभीर नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार साकीनाका खाड़ी क्रमांक तीन के अंतर्गत आने वाली वायर गली, राजीव नगर, मिलिंद नगर,बद्रीधाम सोसायटी, नेताजी नगर सुंदरबाग और आस पास की बस्तियों में बढ़ती हुई गंदगी से बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सफाई के लिए जारी किए गए करोड़ों रुपये के फंड का खुला दुरुपयोग हो रहा है। बज्मे इंसानियत वेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान एल वार्ड की अनेक झोपड़पट्टियों में गंदगी का अंबार बढ़ गया उसके बाद भी मनपा का स्वच्छता विभाग कुंभकर्णी निद्रा में सोया हुआ है। मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी ने एल विभाग के स्वच्छता विभाग के अधिकारियों से संपूर्ण झोपड़पट्टियों में साफ सफाई और धुंआ फौवारिणी किए जाने की मांग की है।

तीन साल की मासूम बच्ची की अधजली लाश मिलने से सनसनी

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। हिल लाइन पुलिस स्टेशन की हद से लापता 3 साल की बच्ची की अधजली लाश मिलने से इलाके में सनसनी मच गई है। इस घटना से नागरिकों में बड़ा आक्रोश देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार 3 वर्षीय बच्ची की गुमशुदगी की शिकायत 18 नवंबर की रात करीब 11 बजे हिल लाइन पुलिस थाने में दर्ज कराई गई थी। इसके बावजूद पुलिस ने बच्ची को खोजने के बजाय मामले को हल्के में लिया। गुरुवार को बच्ची की अधजली लाश पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर मिलने से पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पूरे मामले में डिसीपी सचिन गोरे ने जानकारी दी कि बच्ची की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले की सच्चाई सामने आने की संभावना है। फिलहाल, डीबी पथक और क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

किरण वीमेंस वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मशहूर साहित्यिक एवं सामाजिक महिला संगठन "किरन वीमेंस वेलफेयर सोसायटी" कई वर्षों से महिलाओ के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए सक्रिय है । सोसायटी ने महिलाओं और छात्राओं के लिए पांच महीने का सिलाई कोर्स शुरू किया था । कोर्स के पहले बैच के पूरा होने पर 'प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम आशियाना अपार्टमेंट वंजार पट्टी नाका में प्रसिद्ध लेखिका रजिया हकीम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ । मुख्य अतिथि के रूप में उजमा नूह खुशाल , शबनम मेहबूबुर रहमान अंसारी और करात रविश धुरू उपस्थित थीं । विशेष अतिथि के रूप में काजमीन अंसारी , फरजाना रशीद मोमिन , जी एम मोमिन वीमेंस कालेज उर्दू विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर वहीदा हफीजुर रहमान मोमिन समारोह में उपस्थित थीं । इस मौके पर वहीदा आपा ने लड़कियों को उपयोगी बातें बताते हुए गुणवत्ता में बढोत्तरी की सलाह दी । समारोह की अध्यक्ष रजिया हकीम साहिबा ने महिलाओं के लिए निरंतर संघर्ष की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि उन्हें पूरे आत्मविश्वास के साथ बेहतर से बेहतर चीजों की तलाश में अपनी यात्रा जारी रखना चाहिए । अल्लाह उनकी मदद जरूर करेगा । रईसा इरफान अंसारी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा सोसायटी की गतिविधियों को प्रस्तुत किया । सिलाई क्लास की संचालिका मुबशशेरा मैडम ने आभार प्रदर्शन किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में सिलाई क्लास की छात्राएं एवं किरन वीमेंस वेलफेयर सोसायटी की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक योगदान दिया।

ठाणे के रामलीला मे उमड़ रही दर्शकों की भीड़

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे के घोडबंदर रोड स्थित पातली पाड़ा ऋतु स्टेट के परिसर मे संत श्री गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति की तरफ से भव्य रामलीला मंचन का आयोजन चल रहा है। रामलीला समिति के अध्यक्ष विजय मिश्र की अध्यक्षता मे बुधवार को राम वनवास,निषाद राज भेंट आदि लीला का मंचन मंचित किया गया. रामलीला देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी है कलाकारों ने रामायण की चौपाई के साथ मंचन कर दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से आए हुए कुशल कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है पुरे परिसर का माहौल भक्तिमय हो गया. मंच पर

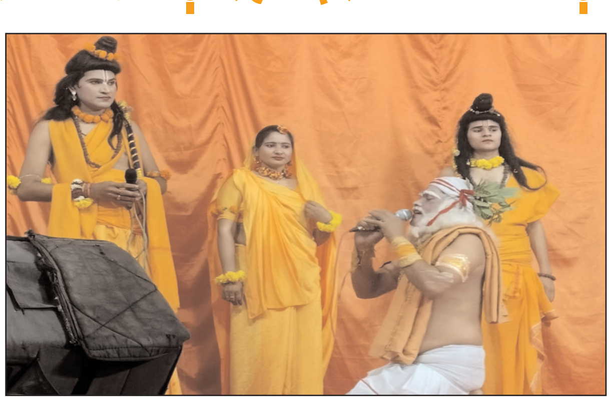

उपस्थित अतिथियों का समिति द्वारा स्वागत किया गया और समिति अध्यक्ष विजय मिश्र, उपाध्यक्ष प्रभाकर तिवारी, राजेश पांडेय, आनंद दुबे, बीरेंद्र पांडेय, अमित सिंह, सुनील मिश्रा, रामसिंगार यादव, महासचिव अरुण तिवारी, सचिव कल्याण उपाध्याय, विनोद मिश्रा, श्याम पाठक, विनोद दुबे, सर्वेश पांडेय,मंच संचालक राम सजीवन दुबे महावीर प्रासद सहित समिति के अन्य लोग कार्यक्रम को सफल बनाने मे लगे हुए है.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एमवीए 160 से 165 सीटें जीतेगी : संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन कुल 288 में से 160 से 165 सीटें जीतेगा और राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करेगा।

राज्यसभा सदस्य राउत ने यह भी कहा कि एमवीए नेता शनिवार को होने वाली मतगणना से पहले बृहस्पतिवार को बैठक करेंगे। बुधवार को मतदान समाप्त होने के बाद ज्यादातर एग्जिट पोल ने महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का अनुमाान जताया, जबकि कुछ ने पश्चिमी राज्य में एमवीए गठबंधन को बढ़त दी।

राउत ने संवाददाताओं से कहा, हम और हमारे सहयोगी, जिनमें पीडब्ल्यूपी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल जैसे छोटे दल शामिल हैं, बहुमत का आंकड़ा पार कर रहे हैं। हम 160-165 सीटें जीत रहे हैं। राज्य में एक स्थिर सरकार होगी। मैं यह बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं।

एमवीए में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शप) शामिल हैं। सत्तारूढ़ महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकांपा शामिल हैं। महायुति गठबंधन जहां सत्ता बरकरार रखने के लिए दृढ़ संकल्प है, वहीं विपक्षी एमवीए गठबंधन राज्य में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने अच्छे प्रदर्शन को विधानसभा चुनाव में भी दोहराने की उम्मीद कर रहा है। अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अनुमानतः 65 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के विधानसभा चुनावों में यह 61.74 प्रतिशत था।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सोंधी ब्लाक के तीन गाँव में बनेगा मिनी स्टेडियमः मंजू सिंह

आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस, गाँव में खेल प्रतिभाओं को मिलेगा बढ़ावा

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के सबसे बड़े

विकास खण्ड शाहगंज सोंधी के तीन गाँवों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और युवाओं को खेल सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से ब्लाक प्रमुख मंजू अजय सिंह के प्रयास से ग्राम पंचायत मुडैला, लपरी व बड़उर में बनाएं जाएंगे। मीनी स्टेडियम जिसके निर्माण के लिए डेढ़ एकड़ जमीन चिन्हित की गई है।उक्त जानकारी देते हुए खण्ड विकास अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उपरोक्त गाँव में चिन्हित जमीन का निरीक्षण किया गया।

प्रस्तावित स्टेडियम के लिए सुविधाओं और डिजाइन पर विचार-विमर्श कर जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने बताया कि मिनी स्टेडियम में खेल प्रेमियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होगी।

स्टेडियम में रनिंग ट्रैक, ओपन जिम,वालीबॉल कोर्ट,क्रिकेट, फुटबॉल मैदान, दर्शक दीर्घा, शौचालय और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। सुरक्षा के लिए लिहाज से ग्राउंड के चारों तरफ से बाउंड्रीवाल भी कराया जाएगा। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। यहाँ जिला स्तरीय, क्षेत्रीय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकता है। जिससे गाँव की छिपी प्रतिभाओं का एक मंच मिलेगा।जिससे बच्चे अपना भविष्य सवार सकते है। इस दौरान एडीओ आइएसबी संजय श्रीवास्तव, एपीओ राजकुमार गुप्ता नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बदलापुर में पत्नी की बरसी पर समाजसेवी ने ग्राम वासियों को वितरित किए आम के वृक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर इस समय जब हमारा देश पर्यावरण की समस्या से जूझ रहा हैं। वृक्षों की लगातार हो रही कटाई

से ग्लोबल वार्मिंग जैसा संकट खड़ा हो रहा है।नए वृक्ष न लगाने व पुराने वृक्षों की अधाधुंध कटाई होने से,लगातार पर्यावरणीय असंतुलन देखने को मिल रहा है। बदलापुर तहसील स्थित ग्राम खमपुर के निवासी अच्छे लाल सिंह द्वारा अपनी पत्नी की बरसी के अवसर पर समाज को एक नया संदेश दिया गया, प्रत्येक ग्राम वासियों को एक आम का वृक्ष दिया गया। इस मौके पर अच्छे लाल सिंह ने कहा की वर्तमान स्थिति में समाज को एक नई सोच व परिवर्तन की जरूरत है।जिसे ध्यान में रखते हुए। रूढ़िवादी परंपरा को ठुकरा कर। आम के वृक्ष प्रदान कर एक नई परंपरा को जन्म देने की कोशिश की गई। इस अवसर पर ग्राम खमपुर व अगल-बगल के लोगों में बाटे गए वही ग्राम प्रधान धनंजय सिंह रानू ने अपने विचार रखते हुए इस पहल का स्वागत किया और कहां कि आज समाज को समय की अत्यधिक कीमत व वृक्षारोपण की तरफ विशेष ध्यान देना चाहिए। इस कार्यक्रम के द्वारा समाज को इन दोनों पहलुओं पर ध्यान देने का संदेश दिया गया है, जो की अत्यधिक स्वागत योग्य है।

गौराबादशाहपुर पुलिस ने एक आरोपी को नाजायज तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष फूलचन्द पाण्डेय के नेतृत्व मे उ०नि० रविप्रकाश व उ०नि० रामलाल मय हमराह का० संजय यादव व का० बृजेश कुमार द्वारा मुखबिर खास के सूचना पर मु0अ0सं0 262/24 धारा 109 (1) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विशाल कन्नौजिया पुत्र बिरजू कन्नौजिया निवासी भदेवरा थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 25 वर्ष के कब्जे से एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर की बरामदगी करते हुए दिनांक 21.11.2024 को समय 02.55 बजे गौरा डिहवा नहर के पास से हिरासत पुलिस में लेकर मु०अ०सं० 268/2024 धारा 3/25 अफटर अउळ थाना

गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

नाम पता अभियुक्त विशाल कन्नौजिया पुत्र बिरजू कन्नौजिया निवासी भदेवरा थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 18 वर्ष। बरामदगी अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर। आपराधिक इतिहास 1.मु0अ0सं0 65/24 धारा 302/34 आईपीसी थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर। 2.मु0अ0सं0 262/24 धारा 109 (1) बीएनएस थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर 2.मु0अ0सं0 268/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर।

मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग में महिला को लगी गोली, मौत

मातम में बदली खुशियां, आरोपी हुआ गिरफ्तार

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के देवनाथपुरा में मंगलवार रात खुशी का माहौल अचानक मातम में बदल गया। एक मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग में गोली लगने से डांस कर रही महिला की मौत हो गई। कच्ची बाग की रहने वाली निशि इलाही अपने भाई आमिर इलाही के देवनाथपुरा स्थित ससुराल में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। आमिर ने अवैध पिस्टल से फायरिंग शुरू की। पहले मिस फायर के बाद उसने बार-बार ट्रिगर दबाया। जिससे पिस्टल के चैंबर में फंसा कारतूस अचानक फायर हो गया। गोली सीधे निशी के सीने में जा लगी। घटना के तुरंत बाद निशी को कबीरचौरा अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद अफरा-तफरी फायरिंग के बाद कार्यक्रम स्थल पर हड़कंप मच गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। मृतका के परिजन शव लेकर घर चले गए।लेकिन पुलिस ने बाद में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की सूचना मिलने पर दशाश्वमेध और जैतपुरा थाने की पुलिस ने मौके पर जांच की। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल, एसीपी प्रज्ञा पाठक और अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों से जानकारी ली। निशी के पति मोहम्मद अली की शिकायत पर आमिर इलाही के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी आमिर इलाही को दशाश्वमेध थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय और उनकी टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

प्रेम प्रसंग में हुई मारपीट, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद आदमपुर थानान्तर्गत बुधवार की शाम को काशी स्टेशन मेन रोड पर जमकर मारपीट हुआ। क्षेत्रीय लोगों ने मारपीट की सूचना रेलवे पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही तत्परता दिखाते हुए मौके पर पुलिस पहुंच गयी। स्थानीय लोगों ने बताया की झोपड पट्टी मे रहने वाले एक व्यक्ति को कुछ लोग जमकर लाटी डंडे से मारपीट रहे थे। मौके पर रेलवे पुलिस पहुंच गई और किसी बड़ी घटना को होने से बचा लिया। रेलवे पुलिस ने मौके पर पंहुचकर दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया तथा गंभीर रूप से घायल मुन्ना 44 वर्षीय को इलाज हेतु कबीर चौरा अस्पताल भेजवा दिया। जी आर पी पुलिस मारपीट के आरोपी बाबू और हरी को पकड़ कर आदमपुर पुलिस के हवाले कर दिया। आपको बता दें कि घायल मुन्ना रेलवे मे साफ सफाई का काम करता है। उसके पुत्र का प्रेम प्रसंग झोपड पट्टी मे रहने वाली एक किशोरी से चल रहा था। प्रेम प्रसंग को लेकर दोनों परिवार में वाद विवाद के दौरान मारपीट हुई है।

यातायात माह के तहत जागरूक करने के उद्देश्य से सुबह-ए-बनारस द्वारा वितरित किया गया निशुल्क हेलमेट

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। यातायात माह के तहत जनमानस को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे। अभियान को देखते हुए मैदागिन चौराहे पर बिना हेलमेट धारण किए आने जाने वाले बाइक सवारों के बीच सामाजिक संस्था सुबह-ए-बनारस क्लब के बैनर तले संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल,उपाध्यक्ष अनिल केसरी, कोषाध्यक्ष नंदकुमार टोपी वाले के नेतृत्व मेंमछोदरी स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर के महन्त स्वामी प्रेम स्वरूप दास जी के आवाहन पर संस्था की ओर से सुरक्षा की दृष्टि से जागरूकता के तहत प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह कोतवाली

कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा बिना हेलमेट के आने जाने वाले दर्जनों बाइक सवारो को रोककर उनके मस्तक में तिलक लगाकर निशुल्क में हेलमेट पहनाने के साथ उनसे अपील किया गया कि वह जब भी बाइक से बाहर निकले जान है तो जहान है। अपनी सुरक्षा अपने हाथ के तहत सिर पर हेलमेट धारण कर-के निकले। उपरोक्त अवसर पर प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह कोतवाली कमि. मौजूद रहे।

मड़ियाहूं तहसील सभागार में राजस्व एवं कृषि अधिकारियों संग डीएम ने की बैठक

◆ किसान रजिस्ट्री से होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से बताया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने तहसील मड़ियाहूं के सभागार में राजस्व तथा कृषि अधिकारियों के साथ बैठक किया। जिसमें किसान रजिस्ट्री से होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान रजिस्ट्री का कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत किसानों को किसान पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। यह रजिस्ट्री चार मोड में की जा सकेगी। पहले मोड में किसान स्वयं कर सकता है।दूसरा मोड में कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा, तीसरा मोड सहायक द्वारा चौथा मोड विभागीय कैंप में शामिल होकर किसान स्वयं को पंजीकृत करवा सकता है।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार डिजीटल क्राप सर्वे के उपरान्त कृषक रजिस्ट्री करायी जा रही हैं तत्क्रम में आज कृषक रजिस्ट्री कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विस्तार से कर्मचारियों को जानकारी दी गयी। जिसके माध्यम से प्रत्येक किसान की फार्मर रजिस्ट्री बनायी जाएगी। उन्होने किसानों से अपील की है कि किसान स्वयं भी फार्मर रजिस्ट्री एप पर आवेदन कर

सकते है। उन्होंने कहा कि पंजीयन कराने से सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता आएगी। किसानों को डिजिटल आईडी मिलेगी। जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से उठाया जा सकता है। फसल बीमा का लाभ रजिस्टर्ड किसान को आसानी से मिलेगा। कृषि ऋण व किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाओं का लाभ भी सरलता से मिलेगा। आधार कार्ड की तरह किसानों का भी स्मार्ट कार्ड बनाया जा रहा है। उन्होंने राजस्व तथा कृषि विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसानों को गांव के पंचायत भवन में कैंप लगाकर तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएं। एक महीने के अंदर किसान रजिस्ट्री का कार्य पूरा कराने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हर तहसील में एक दिन वह स्वयं कैंप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा उन्होंने 70 वर्ष से अधिक के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का भी निर्देश दिया। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडे ने योजना के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर उप जिला अधिकारी मडियाहू कुणाल गौरव, एसडीएम न्यायिक योगिता सिंह, तहसीलदार मडियाहू सहित राजस्व तथा कृषि विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

जफराबाद पुलिस ने 9 हिस्ट्रीशीटरों को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस द्वारा 09 हिस्ट्रीशीटर का चालान अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर न्यायालय पेशी हेतु भेजा गया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान रीडर-पु0अ0-07-विशेष अभियानझ निर्देश/2024 दिनांक 20.11.2024 के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक(नगर) के

दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक के मार्गदर्शन में उ0नि0सुदामा प्रसाद, उ0नि0संजय कुमार व उ0नि0 मनोज कुमार राय द्वारा मय हमराहियान के साथ ग्राम भ्रमण के दौरान 09 हिस्ट्रीशीटर का चालान अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेशी हेतु भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण 1.एच.एस.नं. 26 ए दिनेश शाहू पुत्र स्व0 छोटे लाल निवासी हिसामपुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर उम्र 34 वर्ष 2..एच.एस.22ए मटरु उर्फ केशर सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह निवासी राजेपुर (कचगाँव) थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 60वर्ष 3.एच.एस.38 ए छमानाथ यादव पुत्र स्व0 राम निहोर यादव निवासी पिण्डरा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 50वर्ष 4. एच.एस.18 ए उमानाथ यादव पुत्र स्व0 राम निहोर यादव निवासी पिण्डरा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 50वर्ष 5.एच.एस.नं.39ए-सुखराम निषाद पुत्र राजेश निषाद उर्फ जोखन निवासी मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर उम्र 29 वर्ष 6.एच.एस. 33ए राजेश निषाद उर्फ जोखन पुत्र भुल्लन निषाद निवासी मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 58 वर्ष 7.एच.एस.नं. 08 ए- चन्द्रशेखर चौहान पुत्र बलिराज चौहान नि0खोजनपुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर उम्र 58 वर्ष 8.एच.एस. 5 ए राहुल चौहान उर्फ शत्रुघन चौहान पुत्र चन्द्रशेखर चौहान नि0खोजनपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 30 वर्ष 9.एच.एस.नं. 156 ए विरेन्द्र उर्फ पप्पू यादव पुत्र दुर्गा यादव निवासी पवना थाना जफराबाद जनपद जौनपुर उम्र 42 वर्ष।

7 वर्ष पुराने मामले में एमपी एमएलए लोवर कोर्ट में पेश हुए पूर्व सांसद धनंजय सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आज पूर्व सांसद धनंजय सिंह 7 वर्ष पुराने मामले में आज एमपी एमएलए लोवर कोर्ट में पेश हुए। उनके खिलाफ कोर्ट ने जमानती वारेंट जारी किया था। कोर्ट से निकलने के बाद धनंजय सिंह मीडिया से बात करने से इंकार कर दिया।

प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू समेत 35 लोगों के खिलाफ 6 नवंबर 2017 को एफ आई आर दर्ज कराया था कि ब्लाक प्रमुख सरजू देवी यादव के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर प्रशासन द्वारा 6 नवंबर 2017 को 11:00 बजे खुटहन ब्लाक के परिसर में प्रस्ताव पर परिचर्चा होना था। वादी अपनी बहू नीलम(ब्लाक प्रमुख) के साथ वहां जा रहा था। खुटहन ब्लाक के समीप जौकाबाद गांव 11:00 बजे पहुंचा तभी सभी आरोपित 400 से 500 लोगों के साथ वादी की गाड़ी के सामने आ गए।

ललई यादव के ललकारने पर धनंजय, प्रिंसू व नवीन सिंह जान से मारने की नियत से वादी पर फायरिंग करने लगे वादी जान बचाकर गाड़ी में छुप गया। आरोपितों ने वादी की गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दिया। वादी दूसरी गाड़ी से ब्लॉक की तरफ भागा। इस गाड़ी पर भी आरोपियों ने अंधाधुंध फायरिंग किया। पहली गाड़ी को जला कर 15-16 लाख रुपए का नुकसान कर दिया।अन्य वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिया। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को भी जान से मारने की नियत से मतदान न करने देने के उद्देश्य से आतंकित कर गाड़ियों से खींचने लगे जिससे वे लोग मतदान स्थल पर न पहुंच सके। पंचायत सदस्यों में कुछ महिला सदस्यों के गले से चैन व कान की बालियां भी लूट लिए, कई लोगों को चोटे आई।

जिले में चकबंदी मनमानी को लेकर ग्रामीणों ने किया शिकायत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। धमार्पुर ब्लॉक क्षेत्र के सरैयां गांव के ग्रामीणों ने गांव में चल रही चकबंदी में चकबंदी विभाग पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए डीएम को प्रार्थना पत्र देकर से शिकायत किया। धमार्पुर ब्लॉक क्षेत्र के सरैयां गांव के ग्रामीणों ने बुधवार को जिलाधिकारी से मिलकर चकबंदी अधिकारी किरतापुर रामजी शुक्ल पर मनमानी करने का आरोप लगाया। गांव के प्रभात राय, रवि प्रकाश राय, नीरज राय, आशुतोष राय, सतीश राय, शिव राय ने प्रार्थना पत्र देते हुए डीएम से शिकायत करते हुए बताया कि इस समय गांव में चकबंदी प्रक्रिया चल रही हैं। कई काश्तकारों के मौके के चक को मनमाने ढंग से दूर कर दिया जा रहा तो कई लोगो के चक को इधर से उधर कर दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि चकबंदी अधिकारी किरतापुर गांव के दो-तीन प्रभावशाली व्यक्तियों के दबाव में आकर कार्य करते हैं। जो जिले के एक मंत्री के करीबी है। ऐसे में गांव में विवाद की स्थिति बनी हुई है। हर रोज काश्तकार जिला मुख्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। काफी परेशानी बनी हुई है। ऐसी स्थिति में किसी सक्षम अधिकारी को गांव में भेजकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने की मांग की गई। डीएम ने मौके पर एसोसी स्वतंत्र वीर सिंह और चकबंदी अधिकारी रामजी शुक्ल को अपने ऑफिस में बुलाकर मामले की जानकारी प्राप्त की। तथा कड़ी हिदायत दी कि किसी भी मामले में किसी काश्तकार के साथ गलत नही होना चाहिए। डीएम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि निष्पक्ष रूप से ही चकबंदी प्रक्रिया की जाएगी।

अहंकार के विनाश से ही मानवता का होता है उत्थानः डॉ.मदन मोहन मिश्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सूरापुर पंच मुखेश्वर महादेव मंदिर भवानीपुर में आयोजित श्रीराम कथा में दूसरे दिन बुधवार को श्रीराम कथा का रसपान कराते

हुए मानस मर्मज्ञ डा मदनमोहन मिश्रा ने कहा कि अहंकार के विनाश से ही मनुष्य का कल्याण संभव है। जब हम सब कर्म रूपी धान लगाते हैं तब प्रशंसा का पानी बरसता है। अहंकार की घास बढ़ती है। विवेक की खुरपी से जब हम अहंकार की घास को बाहर निकालते हैं तभी सत्कर्म का धान पच पाता है। उन्होंने कहा कि आज सोफा सेट, बेड सेट, टीवी सेट, टी सेट तो है किंतु दिमाग अपसेट है। जब हम सत्संग में समय देंगे तो जीवन का तनाव समाप्त होगा बड़ों के प्रति समर्पण छोटों का संरक्षण एवं आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। काशी से आए राष्ट्र वादी कथाकार पंडित सचिदानंद त्रिपाठी ने कहा कि जब हमारे जीवन में प्रपंच का विस्मरण होगा भगवता स्मरण होगा। सद्गुरु महात्मा की सरल होगी तो निश्चय ही मरण मंगलमय होगा। प्रतापगढ़ से आए मानस प्रवक्ता आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि जीवन जीने की एक कला है। जिसमें हम दूसरों की सेवा करें भगवान नाम का जप करें और किसी का अहित ना करें हम बाग लगाने का काम तो करें लेकिन किसी के जीवन में आग ना लगाएं दीप जलाने का काम करें। लेकिन किसी का दिल ना जलाएं श्री राम पशुता में भी मानवता लाते हैं। सभी बंदर भालू को मानवता की शिक्षा दे देते हैं जबकि रावण मनुष्य को भी पशु बनाना चाहता है। श्री राम सीता की रक्षा करने वाले जटायु को अपने गोद में रखकर उद्धार कर देते हैं जबकि उत्तम कुल में उत्पन्न हुए रावण को उसके अनाचार अत्याचार एवं सीता का हरण करने के कारण बंद कर देते हैं रामचरितमानस में समाज के सभी वर्गों का कल्याण एवं जीवन की समस्याओं का समाधान है। कथा प्रारम्भ से पूर्व युवा भोजपुरी लोक गायक राहुल पाण्डेय रमन ने भजन प्रस्तुत कर आत्म विभोर कर दिया। इससे पूर्व व्यास पीठ व हनुमान जी की आरती मंदिर के प्रधान पुजारी सानू पाठक व सुरेश गुप्ता ने आरती पूजन किया। मौके पर प्रमोद मिश्रा अरविंद पाण्डेय, शैलेश गुप्ता, सूरज विश्वकर्मा, शिवम अग्रहरि, प्रेम प्रकाश जायसवाल सहित लोग मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत, परिजनों में शोक

इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह रेलवे क्रॉसिंग के पास गुरूवार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई है। इसी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बलुआघाट निवासी मोहम्मद इमरान 28 वर्ष पुत्र मोहम्मद गुलजार तड़के सिपाह चौकी क्षेत्र में स्थित रेलवे पुल के पास से कहीं जा रहें थे, उसी समय किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से इमरान की मौत हो गई। घटना के कुछ ही देर में बड़ी संख्या में स्थानिय लोग व ग्रामीणों की भीड़ लग गई। इस दुर्घटना की खबर जैसे ही मृतक इमरान के घर पहुंची वैसे ही पूरे घर में मातम छा गया। दुर्घटना की जानकारी होते ही सिपाह चौकी प्रभारी धनंजय कुमार राय सहयोगी जवानों के साथ पहुंच गएं।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जैसे ही परिजनों को सूचना मिली पूरे परिवार मातम छा गाया।

कार सवार पांच मनबढ़ों का पुलिस ने किया चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के कजगाव नगर पँचायत के राजेपुर वार्ड के पास बुधवार की देर शाम को वाहन चेकिंग के पुलिस से मनबढी करने वाले पांच युवकों को पुलिस ने कार सहित गिरफ्तार कर लिया। उनका चालान कर दिया गया। एस आई धनुषधारी पाण्डेय अपने हमराहियों रामशब्द यादव, रमेश चन्द्र गिरी के साथ एसपी के निर्देश पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे।उसी समय एक कार को रोक कर उसके कागजात मांगे गए। उसमें सवार चालक सहित पांचों युवक कागजात दिखाने के बजाय पुलिस से मनबढी करने लगे जिसके बाद पुलिस ने अमित कुमार पुत्र ओमप्रकाश, विकास राय, आकाश राय पुत्रगण सुरेश कुमार निवासी काकलपुर थाना चोलापुर वाराणसी तथा भरत प्रसाद सिंह पुत्र कृष्णप्रसाद सिंह तथा प्रदूमेंह पुत्र शंभु निवासी सतरंगी सलारपुर थाना सारनाथ वाराणसी को गिरफ्तार कर लिया। सभी को थाने लाकर चालान कर दिया गया।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए विशेष अभियान 23 एवं 24 नवम्बर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता दिनांक 01.01.2025 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अन्तर्गत दिनांक 29-10-2024 को जनपद के समस्त मतदेय स्थल, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में आलेख्य प्रकाशन कर दिया गया है। दिनांक 29-10-2024 से 28-11-2024 तक उक्त कार्यालय पर जन सामान्य के निरीक्षण हेतु निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जायें एवं निर्वाचक नामावली में दर्ज मृतक, डबल मतदाताओं के नाम विलोपित किया जाय तथा सूची में दर्ज नाम, पता, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों इत्यादि को दूर कर त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार की जाय। बूथ लेंविल अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची में यदि किसी दिव्यांग, महिला या युवा वर्ग के अर्ह व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो उनसे फार्म-6 भरवाये जाने का कार्य भी किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 23 एवं 24 नवम्बर, 2024 को द्वितीय विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गई है। उक्त विशेष अभियान तिथि को समस्त बूथ लेविल आफिसर अपने मतदेय स्थल पर प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक उपस्थित रहकर दावे/आपत्तियों को प्राप्त करने का कार्य करेंगे। NVSP, VOTER PORTAL, VOTER HELPLINE APP के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। शत-प्रतिशत शुद्ध मतदाता सूची तैयार कराये जाने में जनपद के समस्त नागरिकों सहयोग अपेक्षित है।